ESTD : 1954

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन

मासिक

समाचार पत्रिका

संपादक : एच. एल. खन्ना केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु अंक: फरवरी – मार्च 2022

डीपीए ने वृद्धजनों के साथ प्रिंटर्स दिवस मनाया

24 फरवरी प्रिंटर्स बंधुओं के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। इस दिन प्रिटिंग के पितामह जर्मनी के गुटेनबर्ग का जन्म हुआ था। हर वर्ष उनके जन्म दिन पर डीपीए कोई ऐसा आयोजन करता है, जिससे समाज के वंचित और पीड़ित वर्ग के जीवन में खुशी लाने का दिन बन जाए। इस बार डीपीए की कार्यकारिणी ने मयूर विहार स्थित प्रसिद्ध वृद्धाश्रम में रहने वाले औसतन 80 से 100 वर्ष की आयु वाले बुजुर्गों के साथ दोपहर का भोजन ग्रहण करते हुए उनके एकाकीपन को दूर करने का प्रयास किया जिससे उन बुजुर्गों को अपार खुशी महसूस हुई।

FALCON VACUUM PUMPS

D LV 1000 C DV
For Komori Offset

D LV 1000 C DVVL
For Heidelberg Double Color

Manufactured, Sold & Serviced by :
FALCON VACUUM PUMPS & SYSTEMS
Office: 98, Ram Saroop Industrial Complex,
Mujessar, Faridabad - 121005, Haryana (INDIA)
Works: Plot No. 151, Sector-24,
Faridabad - 121 005, Haryana (INDIA)
Phone : +91-129-4022837, 4026023
E-mail : info@falconpumps.com
Website : www.falconpumps.com

ESTD : 1954

PRESIDENT
Mr. Sunil Jain
Mobile : 98102-80120
Imm. Former President
Mr. Kewal Krishan Singhal
Mobile: 98111-15945
VICE-PRESIDENTS
Mr. Deepak Bhatia
Mobile: 98101-15023
Mr. Prashant Aggarwal
Mobile: 99712-14455
Mr. Sandeep Aggarwal
Mobile: 98110-40044

HON. GENERAL SECRETARY
Mr. Atul Goel
Mobile: 98100-03943

JOINT-SECRETARIES
Mr. D. K. Vohra
Mobile : 98105-14145
Mr. Puneet Talwar
Mobile : 98110-81291
TREASURER
Mr. Prakash Dass
Mobile : 98187-24948

EXECUTIVE COMMITTEE MEMBERS
Mr. Ajay Sharma
Mobile: 81784-29924
Mr. Ashish Verma
Mobile: 93509-84666
Mr. Ashok Aggarwal
Mobile: 98100-64038
Mr. Ashok Kumar Nandra
Mobile : 92500-55555
Mr. M. N. Pandey
Mob: 98110-89829
Mr. P. K. Chauhan
Mobile: 98990-94076,
Mr. Puneet Bajaj
Mob: 99533-22396
Mr. Raghu Nandan Sharma
Mobile : 9811481282
Mr. Rakesh Malik
Mob: 98106-21069
Mr. S.S. Lunkar
Mob: 98681-50401
Mr. Sanjay Goel
Mob: 9811776252
Mr. Sanjay Sharma
Mobile : 98106-43710
Mr. Shiv Mittal
Mobile : 98110-78868
Mr. Simranjot Singh Bhatia
Mobile: 99900-00270
Mr. Sunil Jain
Mobile : 99997-69787
Mr. Veenu Gupta
Mobile: 98100-86716
Mr. Vijay Goel
Mobile: 98183-21000
Mr. Vijay Jain
Mobile : 98110-83737
Mr. Vikas Gaur
Mobile : 98711-55294
Mr. Vivek Jain
Mobile: 98102-77339

EXECUTIVE SECRETATRY
Mr. H. L. Khanna
Mobile : 99580-43222
OFFICE SECRETARY
Sujith S.
Delhi Printers' Association
Flat No.26A, Shankar Market,
Connaught Circus,
New Delhi-110 001.
Phones: 23414415, 23412574
E-mail: delhiprintersassociation@gmail.com;
delhiprinter@hotmail.com

How Technology is changing the Printing Industry

The advent and massive utilization of digital printing has permanently changed the printing industry in a relatively short period of time.

Established methods of accomplishing tasks and completing projects and quickly becoming obsolete, and if your company wants to stay relevant in an increasingly competitive marketing, it's vital to understand the different ways that technology has changed commercial printing. Here at basic knowledge of digital printing for educating ourselves on the latest in printing technologies and providing technologically advanced solutions to all of needy people.

DIGITAL PRINT TECHNOLOGIES

One of the biggest factors driving technological change in the printing industry is digital print technology. While print used to be dominated by letterpress, digital has become the dominant printing process. Digital printing has a number of advantages of traditional ways of printing, including:

Cost: Digital printing has greatly brought down the cost of completing large print jobs. And even when a printing project is small, offset printing takes a long time to set up and costs more than a digital print. No matter how small or large a project is, it's more cost-effective to utilize digital printing services.

Accuracy: When you have a digital image, no matter how many times you print it, technology can accurately produce the same high-quality image. One of the main disadvantages of traditional offset printing was the amount of waste that was created, which is a problem that's eliminated with digital printing.

Quick Turnaround: When traditional offset printing was the dominant printing technology, it involved a lengthy preparation of the printing press. In comparison, digital printing is a quick printing method where files can be printed out immediately.

Medium of Printing: Thanks to the nature of digital printing, you can use it to print on a variety of different or unusual surfaces, including vinyl. No matter the size, finish, or surface of the paper, it can be printed digitally.

वर्ष 2021–2022 के वार्षिक शुल्क के लिए सदस्यों से अनुरोध

जिन सदस्यों ने अपना वर्ष 2021–2022 का वार्षिक शुल्क अभी तक नहीं भेजा है उन्हें याद दिलाया जा रहा है कि अपना शुल्क स्वयं/कोरियर/डाक द्वारा शीघ्रअतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। कुछ सदस्य ऐसे भी हैं जिनका वार्षिक शुल्क 2020–2021 का भी नहीं आया है, उन्हें फिर याद दिलाया जाता है कि लगातार दो वर्ष तक वार्षिक शुल्क न आने पर एसोसिएशन की सदस्यता स्वयं समाप्त हो जाती है।

यदि आप वार्षिक चंदा बैंक में सीधे जमा करना चाहते हैं तो संस्था के निम्नलिखित दो बैंक खातों में से किसी में भी जमा करवा सकते हैं तथा जमा करने के बाद संस्था को सूचित कर दें। बैंक का विवरण इस प्रकार है:

Delhi Printers' Association
Saving A/c No. 90042010031370
IFSC Code- CNRB0019004
Bank Name - Canara Bank

Delhi Printers' Association
OD A/C No.020700845501
IFSC Code-HDFC0CTJCBL
Bank Name-The Janata
Co-Operative Bank Ltd.

डीपीए की वार्षिक आम सभा 23 अप्रैल 2022 को होगी

डीपीए की कार्यकारिणी की 28 मार्च 2022 को सम्पन्न हुई बैठक में वार्षिक आम सभा के आयोजन के लिए 23 अप्रैल 2022 का दिन, समय 5 बजे होना निश्चित हुआ है। यह आम सभा मालवीय स्मृति भवन, 52–53 दीन दयाल उपाध्य मार्ग, नई दिल्ली–110002 में सम्पन्न होगी। सभी सदस्यों को सूचनार्थ निवेदन है। **-मानद महासचिव**

Printing, Processing and Binding
by

Gita Offset Printers Pvt. Ltd.
C-90, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110020
Tel.: 41612597 E-mail: gitaoffsetprint@gmail.com

अध्यक्ष की कलम से

दोस्तों,

हालात अब सामान्य हो गए हैं व बाजार में भी काम में तेजी आनी शुरू हो गई है। स्कूल-कॉलेजों के खुलने से प्रकाशक भी जोर-शोर से पुस्तकें व स्कूली सामग्री छपवाने लगे हैं। कागज, स्याही, केमिकल, प्लेट इत्यादि के भाव काफी तेजी से बढ़ रहे हैं व सप्लाई काफी धीमी रफ्तार से चल रही है। इसके रहते हमें (प्रिंटर भाईयों) को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। यह हालात जल्द ही सुधरने वाले नहीं हैं।

हमें कुछ निर्णय लेने जरूरी हो गए हैं:-

1. कोई भी रेट देते समय पेपर का मूल्य अलग से दें।

2. रेट देते समय उसकी वैधता जरूर बताएं।

3. पेपर के रेट पारदर्शिता से बताएं। यदि भाव गिरता है तो उसका लाभ ग्राहक को अवश्य दें। इस प्रक्रिया से उसका भरोसा बढ़ेगा व जब भाव बढ़ेगा, तब वह आसानी से आप के रेट बढ़ा देगा।

4. अपने सभी खर्च का चार्ट बना कर रखें ताकि जब-जब किसी वस्तु के रेट में बढ़ोत्तरी होती है, तब आपको ज्ञात रहे कि कितना रेट बढ़ाना है।

5. कोशिश करें कि ग्राहक की बात सुनकर 'कि फलां आदमी इतने रुपये में छाप रहा है, आप ही रेट बढ़ाने की जिद कर रहे हैं' हताश न हों, अपने रेट पर टिके रहें। नुकसान उठाकर छापने से बेहतर है, काम न छापें।

6. नए ग्राहक के आने पर बाजार में उसके बारे में छानबीन अवश्य करें।

7. उधार की कार्यशैली छोड़ दें। जिस प्रकार कागज स्याही, प्लेट इत्यादि वस्तुएं ऑन लाइन पेमेंट करने के बाद भेजी जाती हैं, उसी प्रकार कोशिश करें कि एडवांस लेकर ही कार्य प्रारम्भ करें।

8. आप प्रिंटर हैं-यदि अपना पहला ध्येय छपाई पर रखेंगे तो कागज के रेट बढ़ने से आप को कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

9. सालाना रेट कान्ट्रेक्ट से बचें।

10. यदि कोई ग्राहक, प्लेट 2-3 बार इस्तेमाल करना चाहता है तो छपाई के बाद प्लेट साफ कर उसे सौंप दें। जब जॉब वापस आए तो प्लेट मंगवा ले यदि सही हालत में है तो छापे-अन्यथा मना कर दें।

यदि आपके कार्य में दम है तो ग्राहक आपको छोड़कर दूसरे प्रिंटर के पास कभी नहीं भागेगा।

-सुनील जैन, अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

प्रसन्नता की बात है कि कोविड-19 तथा ओमीक्रोन जैसे वेरिएन्ट पिछले दो वर्षों में विभिन्न प्रकार के कहर मचाने के पश्चात तेजी से ढलान पर आ रहे हैं। पूरे विश्व में लगभग सभी के काम-धन्धे, उद्योग-व्यापार एवं अर्थव्यवस्था को गंभीर क्षति पहुंची। किन्तु अब केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा लगाए गये प्रतिबन्धों में राहत दिए जाने से आम जनजीवन एक बार फिर से पटरी पर लौट रहा है। हमारे मुद्रण व्यवसाय में भी अच्छे संकेत मिल रहे हैं। फैक्ट्रियों को बिना साप्ताहिक अवकाश के सातों दिन चलाने की अनुमति दे दी गयी है व रात्रि-कर्फ्यू भी हटा दिया गया है।

मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियां तथा मांग बढ़ जाने से प्रिंटिंग-पैकेजिंग उद्योग में काम बढ़ रहा है। दूसरी ओर स्कूल-कॉलेज खुलने से पुस्तकों तथा स्टेशनरी सामान छापने वाली प्रैसों का उत्साह जगा है। इस प्रकार के सुखद समाचार मिलने के साथ दुखद विषय है कि कच्चे माल के दामों में एक बार फिर से लगातार उछाल आया है। आर्ट पेपर, कोरोगेटेड पेपर व गत्ते के दामों में 50-75 प्रतिशत, सीटीपी प्लेटों, लैमिनेशन, कैमिकल्स आदि में 10 प्रतिशत की बढ़त हो चुकी है। इन सबके बावजूद प्रिंटिंग के रेटों में कोई बदलाव नहीं हो रहा है। प्रौफिट मार्जिन लगभग समाप्त हो गया है।

महामारी के बादल छंटने के कारण प्रिंटिंग- पैकेजिंग मशीनरी की प्रदर्शनियां दिल्ली एवं ग्रेटर नौएडा में लगाये जाने की नई तारीखें आ गयी हैं। इपामा की 15वीं प्रिंटपैक इंडिया नौएडा में मई 26-30, 2022 को, AIFMP की पामेक्स मुम्बई में मार्च 27-30, 2023 को, टारसस ग्रुप की लेबल एक्सपो इंडिया नौएडा में नवम्बर 10-13, 2022 को, मीडिया एक्सपो-मुम्बई में मई 12-14-2022 को, मीडिया एक्सपो-नई दिल्ली फिर से नौएडा में सितम्बर-1-3-2022 को लगने जा रही हैं। विश्व की सबसे बड़ी द्रुपा प्रदर्शनी डुसैलडॉर्फ में मई-28-जून 7, 2024 को लगेगी। पूरी दुनिया में लोग चैन की सांस लेने लगे थे कि फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में अचानक रूस तथा यूक्रेन देशों के बीच एक गम्भीर युद्ध छिड़ गया है जो बढ़ता ही जा रहा है और अगर इसे रोका ना गया तो विश्व युद्ध तक का खतरा हो सकता है। पेट्रोल आदि सभी आयातित वस्तुएं महंगी होनी लगी हैं तथा सब देशों की आर्थिक व्यवस्था चरमरा सकती है। हम सबको जागरूक रहकर आवश्यक तैयारी करते रहना होगा।

-अतुल गोयल, महासचिव

Amit Gupta
9810528620

Estd. 1974

S.K. Traders

All Kind of Paper & Boards

NARAINA Ind. AREA 9313528620 | PAHAR GANJ 9311528620 | CHAWRI BAZAR 9350297378

Godown : C-106/8, Ph. 1, Naraina Ind. Area, N. Delhi-28

डीपीए ने भगवतधाम धर्मार्थ वरिष्ठ नागरिक आवास में 24 फरवरी को प्रिंटर्स दिवस मनाया

2003 में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स ने अपनी स्वर्ण जयंती मनाते हुए अपने सभी संबद्ध संघों से आह्वान किया था कि वे प्रत्येक वर्ष 24 फरवरी को प्रिंटर्स दिवस मनाएं। जर्मनी के जोहान्स गुटेनबर्ग द्वारा मानव जाति के सबसे महान आविष्कार का स्मरण करें, जिन्हें लगभग छह शताब्दी पहले मुद्रण कला का जनक माना जाता है। इसलिए 2004 के बाद से – जो संयोग से उस वर्ष हुआ जब दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन ने भी अपनी स्वर्ण जयंती मनाई थी – एसोसिएशन हर साल 24 फरवरी को प्रिंटर्स दिवस आयोजित कर रहा है, इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की परोपकारी गतिविधियों का आयोजनकिया जाता है । इस तरह के आयोजनों में समाज के वंचित वर्ग के लिए फ्री जनरल हेल्थ का जांच जाने–माने अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टरों और कर्मचारियों की टीमों द्वारा ईएनटी, डेंटल और हार्ट चेक–अप कैंप लगाए गए। इन शिविरों में सैकड़ों जरूरतमंद रोगियों ने भाग लिया, उन्हें रक्तचाप और रक्त शर्करा परीक्षण के अलावा, मुफ्त दवाएं, चश्मा आदि दिए गए और जरूरतमंद रोगियों के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए व्यवस्था की गई । कुछ अवसरों पर डीपीए ने सभी एक अनाथालय या वृद्धाश्रम सभी आश्रितों और कर्मचारियों को मुफ्त भोजन देकर भी प्रिंटर्स डे मनाया।

कोविड–उपयुक्त प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, समाज के प्रति अपनी कर्तव्यपरायणता के रूप में डीपीए ने 24 फरवरी को मयूर विहार–दिल्ली में भगवतधाम धर्मार्थ वरिष्ठ नागरिक आवास नामक एक प्रसिद्ध वृद्धाश्रम में अपने आश्रितों और कर्मचारियों को मध्याह्न भोजन (लंच) परोस कर इस वर्ष का प्रिंटर दिवस मनाया।

डीपीए के पदाधिकारी, कार्यकारी समिति के सदस्य और पूर्व अध्यक्ष समय पर कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित हुए। उन्होंने अपने

STITCH STAR
World Class 6 Head Saddle Stitcher with Feeder and online 3-Knife Trimmer
Upto 20" (500mm) Spine. Bind notebooks in 2-ups mode upto 16,000 per hour with automatic feeding and 4th knife operation.
Saddle Stitcher is meant for gathering forms, center stitching and 3-knife trimming magazines, notebooks, booklets, leaflets, financial reports and a wide range of similar products. Modular design allows expansion upto ten auto feeders. Flowline can accommodate maximum product size of 500 X 305 mm. Speed 8,000 cph.
Dh2
2-head saddle wire stitcher
The economical production of center-stitched brochures, magazines, TV guides, timetables, catalogues, lists and similar printed products.
Paper Drilling Machine
Paper Drilling machine for drilling reeams of paper automatically, up to 4 drill heads at a time.
Glory
Side binding solutions. Form collation, inline stitching, missed section rejection. Collect up to 24 printed forms and produce magazines, textbooks copies at upto 5000 copies per hour.
ride
Webline Stacker
Webline Stacker
The PRIDE stacker can be adjusted to any speed of web offset machine of multi webs.
It reduces man-power and produces neat stacks minus air-trapings.
Trim STAR
Three-Knife Trimmer
PLC DRIVEN machine, auto-fed for trimming of hard and soft cover books, magazines, catalogues, annual reports etc.
Announcing many new instalations book makers & note book makers in 2018
Working videos on www.pewbindery.in
Pramod Engineering
Delhi Press Bldg., E-3, Jhandewala Estate, New Delhi-110055, INDIA
Phones: 9818204702 • 9810160122 • 011-43586899
ceo@pewbindery.in • www.pewbindery.in

प्रिंटर्स डे

अलग–अलग कमरों का चक्कर लगाकर कैदियों का अभिवादन किया, उनके हालचाल के बारे में पूछताछ की और उनमें से प्रत्येक को एक पल्स ऑक्सीमीटर उपकरण वितरित किया, जिसे डीपीए के संयुक्त सचिव श्री पुनीत तलवार ने भेंट किया था। डीपीए ने नोएडा ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और एआईएफएमपी के उपाध्यक्ष (उत्तर) श्री तरुण अनेजा के साथ–साथ एआईएफएमपी के संयुक्त सचिव और कलरबार कम्युनिकेशंस–नई दिल्ली के श्री नितिन नरूला को भी आमंत्रित किया था। हालांकि श्री नितिन नरूला व्यस्तता के कारण नहीं आ सके, श्री तरुण अनेजा मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यकारिणी के सदस्यों और डीपीए के पूर्व अध्यक्षों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और मानद महासचिव श्री अतुल गोयल द्वारा गुलदस्ता और अध्यक्ष श्री सुनील जैन द्वारा एक शॉल देकर उनका अभिनंदन किया गया। श्री अनेजा ने डीपीए को बधाई दी और उन्हें नेक कार्य का हिस्सा बनने का अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया, उसके बाद आश्रितों को लॉन में गोल मेज पर बैठने के लिए आमंत्रित किया गया और उन्हें भोजन परोसा गया जो कि बुफे टेबल पर रखा गया था। आश्रितों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया और उन्हें मेजबानों के साथ घुलने–मिलने के लिए हरी–भरी घास पर बातचीत का मौका मिला । परिचय के दौरान यह ज्ञात हुआ कि पुरुष और महिला आश्रितों की आयु 60 से 100 वर्ष के बीच थी, जिनमें अच्छी संख्या 80 और 90 प्लस थी। और केवल कुछ ही उम्र से संबंधित बीमारियों से त्रस्त थे। उनके चेहरों पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था। उन्होंने खुद को सेवानिवृत्त व्यवसायी और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के रूप में पेश किया, जिन्हें अच्छी पेंशन मिल रही थी। वे उत्सुकता से मुद्रण बिरादरी की भलाई के लिए एसोसिएशन के उद्देश्यों और काम के बारे में जानना चाहते थे। उन्होंने दैनिक गतिविधियों के नियमित दिनचर्या से सुखद बदलाव का आनंद लिया और डीपीए के प्रति आभार व्यक्त किया।

MAX ROLLERS

Manufacturers of : RUBBER ROLLERS

Plot No. 356, Sector-38, Phase-1,
HSIIDC, Rai Industrial Estate, Haryana - 131029
classicsandeep@hotmail.com
www.maxrollers.in | www.maxrollers.net

1 रुपये में छपता है 20 रुपये का नोट, जानिए 2000 का नोट छापने पर कितना आता है खर्च?

कभी आपने सोचा है कि जिस नोट की वैल्यू 2000, 500 या 200 होती है, उसके छापने में कितना खर्चा होता है. वैसे इसमें कई सिक्योरिटी फीचर्स होते हैं, लेकिन फिर भी इसे छापने की लागत काफी ज्यादा नहीं होती है.

इंडियन करेंसी यानी 2000, 500 के नोट दिखने में तो एक सिर्फ एक प्रिंटिंग पेपर के जैसे दिखते हैं. मगर मार्केट में इनकी वैल्यू काफी ज्यादा होती है. वैसे इस नोट को खास तरीके से बनाया जाता है, जो सिर्फ एक कागज की तरह ही नहीं होता है. नोट में कई सिक्योरिटी फीचर्स होते हैं, जिससे इनकी खास पहचान होती है. इससे आप नकली और असली नोट में पहचान कर पाते हैं और इन सिक्योरिटी फीचर्स में गांधी जी की फोटो से लेकर रंग, एक आरबीआई लिखी पट्टी आदि शामिल होते हैं.

लेकिन, कभी आपने सोचा है कि जिस नोट की वैल्यू 2000, 500 या 200 होती है, उसके छापने में कितना खर्चा होता है. वैसे इसमें कई सिक्योरिटी फीचर्स होते हैं, लेकिन फिर भी इसे छापने की लागत काफी ज्यादा नहीं होती है. इस नोट की वैल्यू के हिसाब से यह लागत काफी कम होती है. ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर एक नोट को छापने में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का कितना खर्चा होता है. जानते हैं हर एक नोट का हिसाब कि आखिर नोट छापने में कितने पैसे खर्च होते हैं३

कहां छपते हैं नोट

नोट की छपाई पर आने वाले खर्च के बारे में बताने से पहले आपको बताते हैं कि ये नोट छापता कौन है और कहां छपते हैं. भारतीय करेंसी के नोट भारत सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा छापे जाते हैं. यह सिर्फ सरकारी प्रिंटिंग प्रेस में ही छापे जाते हैं. देशभर में चार प्रिंटिंग प्रेस हैं. नासिक, देवास, मैसूर व सालबोनी (प. बंगाल) में नोट छपाई का काम किया जाता है. इसे छापने के लिए खास तरीके की इंक का इस्तेमाल किया जाता है. यह स्विजरलैंड की एक कंपनी द्वारा बनाई जाती है और अलग अलग इंक अलग अलग काम करती है. इसका पेपर भी खास तरीके से तैयार किया जाता है.

2000 के नोट की छपाई में कितना खर्चा?

2000 के नोट छापने से 2018–19 में काफी कम खर्चा हुआ था. इससे 1 साल पहले 2017–18 में यह खर्च ज्यादा था और अब काफी कम हो गया है. अगर एक नोट के हिसाब से बात करें तो नोट छापने में 18.4 का खर्चा कम हुआ है यानी 2019 में नोट छापने में 65 पैसे कम खर्च हुए हैं. बता दें कि 2018 में 2000 रुपये का एक नोट छापने में 4 रुपये 18 पैसे का खर्चा हुआ था, जबकि 2019 में एक नोट छापने में 3.53 पैसे खर्च हुए. यानी 2000 रुपये के नोट को छापने में 3–4 रुपये का ही खर्चा आता है.

अन्य नोटों का क्या है हाल?

अगर अन्य नोटों की बात करें तो 500 रुपये के नोट को छापने में 2. 13 पैसे का खर्चा होता है. वहीं, 200 रुपये के नोट को छापने में 2.15 पैसे का खर्च आता है. वैसे प्रिंटिंग प्रेस के आधार पर खर्च में हल्का बदलाव भी हो जाता है. 2018 के डेटा के अनुसार, 10 रुपये के नोट छापने में 1.01 रुपये, 20 रुपये के नोट छापने में 1 रुपये, 50 रुपये के नोट छापने में 1.01 रुपये और 100 रुपये के नोट छापने में 1.51 पैसे का खर्च होता है.

–मोहित पारीक

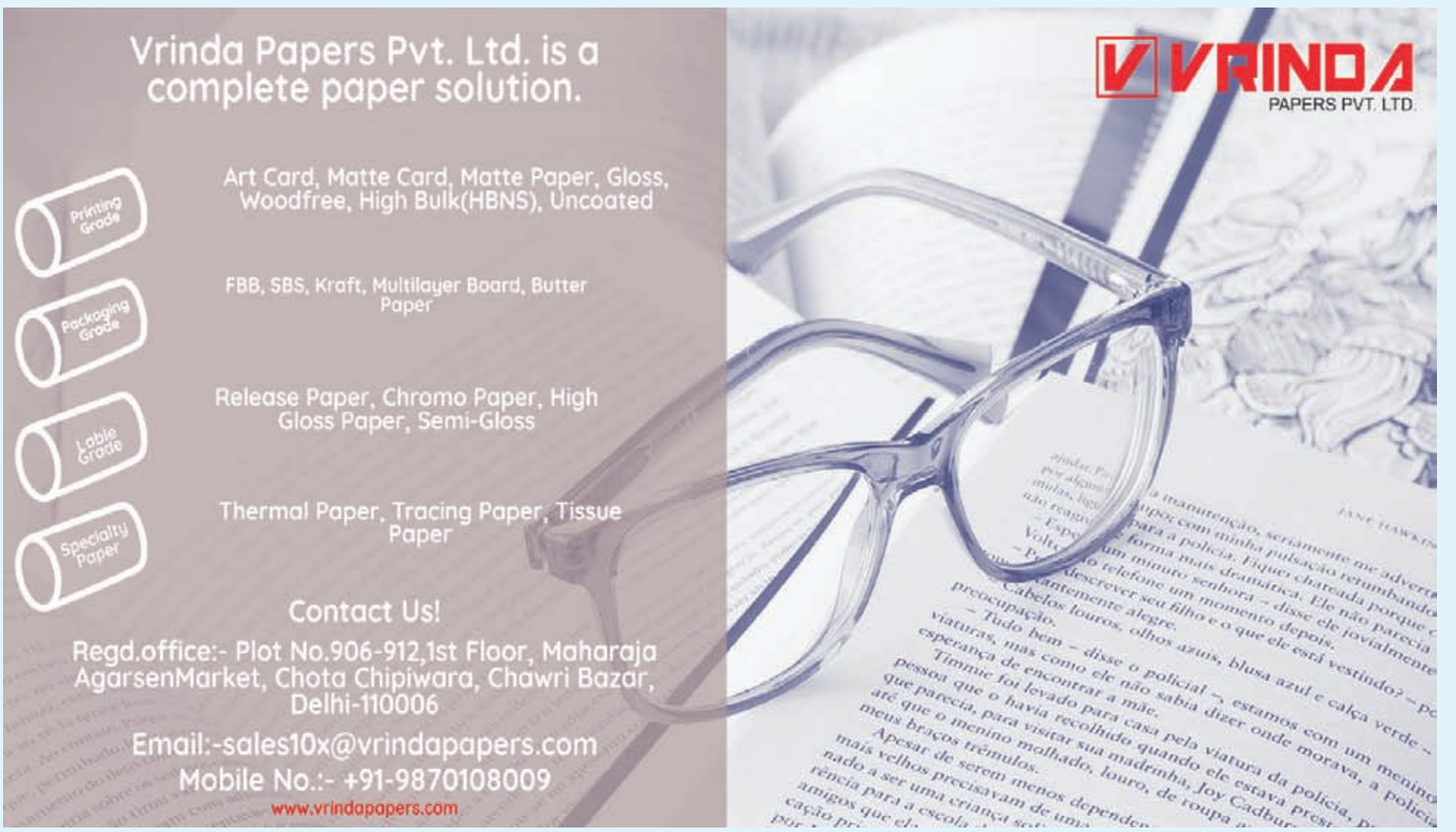

समस्या

25 रुपये किलो बिक रहे रद्दी कागज

इंडियन एग्रो एंड रिसाइकिल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन को है आपत्ति

आईएआरपीएमए के मुताबिक देश में कुल पेपर और पेपरबोर्ड प्रोडक्शन में 65 से 70 फीसदी तक की हिस्सेदारी रखने वाली रीसाइकिल्ड यानी रद्दी कागज पर आधारित पेपर मिल्स अप्रत्याशित संकट का सामना कर रही हैं.

कुछ महीने पहले तक 8 से 12 रुपये किलो बिकने वाले रद्दी कागज के भाव 20 से 25 रुपये किलो पर पहुंच गए हैं. दिल्ली–एनसीआर और अन्य बड़े शहरों में बढ़ी हुई कीमतों पर रद्दी के कागज उपलब्ध कराए जा रहे हैं. ऐसे में पेपर मिल्स के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं. आपके घरों से भले ही कबाड़ी वाला कम भाव में अखबार और अन्य रद्दी कागज खरीद रहा हो, लेकिन पेपर मिल्स को ये रद्दी कागज 20 से 25 रुपये किलो के भाव मिल रहे हैं.

कहा जा रहा है कि कबाड़ी के जरिये रद्दी कागज की आपूर्ति करने वालों ने इनकी जमाखोरी करते हुए पेपर मिल्स के लिए कीमतें बढ़ा दी हैं. आईएआरपीएमए यानी इंडियन एग्रो एंड रिसाइकिल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट प्रमोद अग्रवाल का कहना है कि इससे उद्योग पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है.

क्राफ्ट वेस्ट पेपर की भी बढ़ी कीमतें

कोरोना से पहले क्राफ्ट वेस्ट पेपर की कीमतें 10 रुपये प्रति किलो हुआ करती थी, लेकिन अब इनके भाव 22 रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गए हैं. रद्दी कागज की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के लिए आईएआरपीएमए ने रद्दी कागजों की आपूर्ति करने वालों की जमाखोरी और कार्टेलाइजेशन को जिम्मेदार ठहराया है.

प्रमोद अग्रवाल का कहना है कि कुछ रद्दी कागज आपूर्तिकर्ता इसकी उपलब्धता और कीमत पर नियंत्रण कर रहे हैं. इस कारण पेपर मिल्स के लिए अपना उत्पादन घटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि कच्चे माल की उपलब्धता कम हो गई है.

कागजों की कीमतें बढ़ने की संभावना

प्रमोद अग्रवाल का कहना है कि कच्चे माल की कीमतों में प्रति किलो 10 रुपये तक की वृद्धि को पेपर मिल्स वहन करने की स्थिति में नहीं हैं. इसलिए फिनिश्ड न्यूजप्रिंट और अन्य ग्रेड के कागजों की कीमतें भी इसी अनुपात में बढ़ने की संभावना है. पेपर मिल्स अपना कारोबार बंद करने की स्थिति में भी नहीं हैं, कारण कि उन्हें ब्याज और वेतन समेत कई तरह के खर्च पूरे करने हैं.

छह महीने में दोगुनी हुईं रद्दी कागज की कीमतें

आईएआरपीएमए के मुताबिक देश में कुल पेपर और पेपरबोर्ड प्रोडक्शन में 65 से 70 फीसदी तक की हिस्सेदारी रखने वाली रीसाइकिल्ड यानी रद्दी कागज पर आधारित पेपर मिल्स अप्रत्याशित संकट का सामना कर रही हैं. इनके लिए रद्दी कागज प्रमुख कच्चा माल है, जिनकी कीमतें पिछले छह महीने में दोगुनी हो गई हैं.

रद्दी कागज के स्टॉक केंद्रों पर छापेमारी की मांग

आईएआरपीएमए ने वाणिज्य मंत्रालय को पत्र लिख कर जमाखोरी के खिलाफ छापेमारी की मांग की है. इस पत्र में कहा है कि देश में सालाना 2.5 करोड़ टन कागज का उत्पादन होता है, जिनमें से करीब 1.7 करोड़ टन कागज का उत्पादन रद्दी कागज आधारित पेपर मिल्स किया करती हैं. रद्दी कागज की कीमतों में वृद्धि के कारण कागज उत्पादन में किसी भी तरह की कमी होगी तो इससे राइटिंग, प्रिंटिग, न्यूजप्रिंट और पैकेजिंग इंडस्ट्री पर भी दुष्प्रभाव पड़ेगा.

जमाखोरों के नाम बताने को तैयार है आईएआरपीएमए

आईएआरपीएमए ने आरोप लगाया कि जमाखोरी के जरिये रद्दी कागज की कमी का माहौल बनाया जा रहा है. आईएआरपीएमए ने सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने और रद्दी के गोदामों में छापेमारी के जरिये अवैध जमाखोरी पर नियंत्रण करने की अपील की है. आईएआरपीएमए ने सरकार को अवैध तरीके से रद्दी कागज की जमाखोरी करने वालों के नाम बताने का भी प्रस्ताव दिया है.

जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं

Birthdays

1. Mr. Gajender Singh, Former President of DPA and owner of Jugnu Offset on Feb.2
2. Mr. Arvind Gupta, Former President of DPA and owner of Print Land on Feb.4
3. Mr. V. K. Kanwar, Former President of DPA and owner of Tijarti Press on Feb.7
4. Mr. Rajesh Sardana, Former President of DPA and owner of Cambridge Press on March 3
5. Mr. D. K. Vohra, Joint-Secretary of DPA and owner of Panchal Press on March 21

Wedding Anniversary:

1. Mr. Kewal Krishan Singhal, Former President of DPA and owner of Santosh Offset on Feb. 4
2. Mr. Vikas Gaur, E.C. Member of DPA and owner of Ajanta Colour Offset on Feb 4
3. Mr. Arvind Gupta, Former President of DPA and owner of Print Land on Feb.11
4. Mr. Gulshan Marwah, Former President of DPA and owner of Shri Balaji Offset on Feb.12
5. Mr. Veenu Gupta, E.C. Member of DPA and owner of Impressions, on February 15.
6. Mr. Raj Kumar Arya, Former President of DPA and owner of Sindhu Art Printing Press on Feb.20
7. Mr. Puneet Talwar, Vice-President of DPA and owner of Impact on Feb.23
8. Mr. V. K. Kanwar, Former President of DPA and owner of Tijarti Press on Feb.24
9. Mr. Ashish Verma, E.C. Member of DPA and owner of Bharat Offset Works on Feb.28
10. Mr. Simranjot Singh Bhatia, E.C. Member of DPA and owner of G.S. Bhatia Box Factory on March 30

For Sale Complete Set of Book Binding Machines of

Memory Case Maker

Mobile : 9811457840

Required an Experienced Supervisor to handle Printing Jobs in a running unit on Permanent Basis. Preferably resident of Trans-yamuna Area. Contact with details

Printed at Gita Offset Printesrs Pvt. Ltd. Okhla indi. area Phase-1 New Delhi